1

लोकतन्त्र
(Democracy)

" शासन के रूपों के लिए मूर्खों को लड़ने दो। जो शासन ठीक से चले। वही सर्वोत्तम शासन है।
— एलेक्जेण्डर पोप

" परिवार और सत्य, सूर्य के प्रकाश और फ्लोरेन्स नाइटेंगल की भांति, लोकतन्त्र की श्रेष्ठता सन्देह के परे है। — जे. के. गेलब्रेथ

मानव जाति के प्रारम्भिक काल से लेकर अब तक विभिन्न प्रकार की शासन व्यवस्थाएं विद्यमान रही है और शासन के इन विभिन्न रूपों का मानव जाति के राजनीतिक विकास में विशेष महत्व रहा है। इस प्रकार की महत्वपूर्ण शासन व्यवस्थाओं में राजतन्त्र, अधिनायकतन्त्र, कुलीनतन्त्र व लोकतन्त्र अधिक प्रमुख है। वर्तमान समय की दृष्टि से सर्वाधिक महत्वपूर्ण शासन व्यवस्थाएं निश्चित रूप से लोकतन्त्र और अधिनायकतन्त्र ही है।

लोकतन्त्र : शास्त्रीय या उदारवादी लोकतन्त्र
(DEMOCRACY : CLASSICAL OR LIBERAL DEMOCRACY)

लोकतन्त्र आज के समय की निश्चित रूप से सर्वाधिक लोकप्रिय धारणा है और अपने आपको लोकतन्त्रवादी या डेमोक्रेट कहना बीसवीं सदी के उत्तरार्द्ध का फैशन बन गया है। आज प्रत्येक व्यक्ति अपने आपको लोकतन्त्रवादी कहता है।

अरस्तू के समय से लेकर आज तक साधारणतया शासन व्यवस्था के तीन रूप प्रचलित है। राजतन्त्र, कुलीनतन्त्र और लोकतन्त्र। भूतकाल में साधारण रूप से राजतन्त्रात्मक या कुलीनतन्त्रात्मक शासन व्यवस्थाएं प्रचलित थी, किन्तु एक लम्बे समय के ऐतिहासिक अनुभव से स्पष्ट हो गया कि राजतन्त्र या कुलीनतन्त्र जनताधारण के हित में कार्य।

)

राजतन्त्र और कुलीनतन्त्र में इस प्रकार की प्रवृति पाये जाने के दो कारण बताये जा सकते है।

(i) शासन व्यवस्था के ये रूप एक वर्ग विशेष से ही सम्बन्धित होने के कारण बताये जा सकते है,

(ii) शासक वर्ग जनता के प्रति उत्तरदायी नही होता। इस कारण वह निरंकुश हो जाता है,

इन दो तथ्यों के कारण शासन व्यवस्था के मूल रूप में परिवर्तन के रूप में लोकतन्त्र को अपनाया गया। प्रारम्भ में शासन के प्रकार के रूप में लोकतन्त्र का उदय हुआ।

शासन के प्रकार के रूप में लोकतन्त्र —

लोकतन्त्र का अंग्रेजी पर्यायवाची शब्द डेमोक्रेसी ग्रीक शब्द विन्यास के अनुसार डेमोस और क्रेटिया इस प्रकार के दो शब्दों से मिलकर बना है, जिसका तात्पर्य शासन की शक्ति से होता है। इस प्रकार के रूप में लोकतन्त्र शासनप्रणाली को कहते है

एक लम्बे समय तक लोकतन्त्र का तात्पर्य शासन के एक प्रकार से ही लिया जाता था। और विभिन्न विद्वानों द्वारा इस रूप में लोकतन्त्र की अलग - अलग प्रकार से व्याख्याएं की गयी है,